Załącznik 3a do Uchwały Nr 82 Senatu UWM w Olsztynie z dnia 27 kwietnia 2021 roku

**PLAN STUDIÓW KIERUNKU**

**FILOLOGIA POLSKA**

**ZAKRES: NAUCZANIE JĘZYKA POLSKIEGO**

**Obowiązuje od cyklu:** 2021Z

**Poziom studiów:** studia drugiego stopnia

**Profil kształcenia:** ogólnoakademicki

**Forma studiów:** stacjonarne

**Liczba semestrów:** 4

**Dziedzina/y nauki/dyscyplina/y naukowe:** dziedzina nauk humanistycznych / dyscypliny naukowe: językoznawstwo, literaturoznawstwo

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | **Rok studiów: 1, semestr: 1** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | Lp. | | Nazwa przedmiotu/grupy zajęć | | | Semestr | Liczba  punktów ECTS | Punkty ECTS  za zajęcia praktyczne | Forma zaliczenia | | Status przedmiotu:  obligatoryjny lub fakultatywny | Liczba godzin realizowanych z bezpośrednim udziałem nauczyciela akademickiego lub innej osoby prowadzącej zajęcia | | | | | | | | Praktyka | | Praca dyplomowa | | ogółem zajęcia dydaktyczne | | wykład | | ćwiczenia | | inne | | | **Grupa treści** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | **I - WYMAGANIA OGÓLNE** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 1 | | Warsztat językowy | | | 1 | 2 | 1,2 | zal. oc. | | f | 30 | | 0 | | 30 | | 2 | | 0 | | 0 | | 2 | | Technologie informacyjne w naukach humanistycznych | | | 1 | 2 | 1,2 | zal. oc. | | o | 30 | | 0 | | 30 | | 2 | | 0 | | 0 | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | | | | | 4 | 2,4 | x | | x | 60 | | 0 | | 60 | | 4 | | 0 | | 0 | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | | | | |  | 2,4 | x | | x | 60 | | 0 | | 60 | | 4 | | 0 | | 0 | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | | | | | 2 | 1,2 | x | | x | 30 | | 0 | | 30 | | 2 | | 0 | | 0 | | **II – PODSTAWOWYCH** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |  | | 1 | | Teoria kultury | | | 1 | 2,0 | 0,6 | zal. oc. | | o | 30 | | 15 | | 15 | | 2 | | 0 | | 0 | | 2 | | Warsztat badacza literatury | | | 1 | 1,0 | 0,6 | zal. oc. | | o | 15 | | 0 | | 15 | | 2 | | 0 | | 0 | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | | | | | 3,0 | 1,2 | x | | x | 45 | | 15 | | 30 | | 4 | | 0 | | 0 | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | | | | |  | 1,2 | x | | x | 30 | | 0 | | 30 | | 3 | | 0 | | 0 | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | | | | | 0 | 0 | x | | x | 0 | | 0 | | 0 | | 0 | | 0 | | 0 | | **II – KIERUNKOWYCH** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 1 | | Nurty i style literacko-artystyczne I | | | 1 | 3 | 1,2 | zal. oc. | | o | 45 | | 15 | | 30 | | 2 | | 0 | | 0 | | 2 | | Wybrane zagadnienia analizy dzieła literackiego | | | 1 | 1,5 | 1,2 | zal. oc. | | o | 30 | | 0 | | 30 | | 2 | | 0 | | 0 | | 3 | | Wybrane zagadnienia gramatyki j. polskiego | | | 1 | 1,5 | 1,2 | zal. oc. | | o | 30 | | 0 | | 30 | | 2 | | 0 | | 0 | | 4 | | Metodologia badań literackich I | | | 1 | 2 | 0,6 | zal. oc. | | o | 30 | | 15 | | 15 | | 2 | | 0 | | 0 | | 5 | | Elementy kultury języka polskiego | | | 1 | 1,5 | 1,2 | zal. oc. | | o | 30 | | 0 | | 30 | | 2 | | 0 | | 0 | | 6 | | Językoznawstwo ogólne | | | 1 | 2,5 | 0,6 | egz. | | o | 30 | | 15 | | 15 | | 4 | | 0 | | 0 | | 7 | | Seminarium magisterskie i praca dyplomowa I | | | 1 | 4 | 1,2 | zal. oc. | | f | 30 | | 0 | | 30 | | 2 | | 0 | | 0 | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | | | | | 16 | 7,2 | x | | x | 225 | | 45 | | 180 | | 16 | | 0 | | 0 | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | | | | |  | 7,2 | x | | x | 180 | | 0 | | 180 | | 11 | | 0 | | 0 | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | | | | | 4 | 1,2 | x | | x | 30 | | 0 | | 30 | | 2 | | 0 | | 0 | | **IV - ZWIĄZANYCH Z ZAKRESEM KSZTAŁCENIA** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 1 | Pedagogika | | | | 1 | 2 | 1,2 | zal. oc. | | f | 30 | | 0 | | 30 | | 2 | | 0 | | 0 | | 2 | Psychologia społeczna | | | | 1 | 2 | 1,2 | zal. oc. | | f | 30 | | 0 | | 30 | | 2 | | 0 | | 0 | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | | | | 1 | 4 | 2,4 | x | | x | 60 | | 0 | | 60 | | 4 | | 0 | | 0 | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | | | | 1 |  | 2,4 | x | | x | 60 | | 0 | | 60 | | 4 | | 0 | | 0 | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | | | | 1 | 4 | 2,4 | x | | x | 60 | | 0 | | 60 | | 4 | | 0 | | 0 | | **V- PRAKTYKA** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 1 | | Praktyka psychologiczno-pedagogiczna | | | 1 | 1,5 | 1,5 | zal. oc. | | f | 0 | | 0 | | 0 | | 0 | | 40 | | 0 | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | | | |  | 1,5 | 1,5 | x | | x | 0 | | 0 | | 0 | | 0 | | 40 | | 0 | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd.(zajęcia praktyczne) | | | | |  | 1,5 | 1,5 | x | | x | 0 | | 0 | | 0 | | 0 | | 40 | | 0 | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd.(przedmioty fakultatywne) | | | | |  | 1,5 | 1,5 | x | | x | 0 | | 0 | | 0 | | 0 | | 40 | | 0 | | **VI – INNE** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 1 | | Szkolenie w zakresie bezpieczeństwa i higieny pracy | | | 1 | 0,5 | 0 | zal. | | o | 4 | | 4 | | 0 | | 0 | | 0 | | 0 | | 2 | | Etykieta | | | 1 | 0,5 | 0 | zal. | | o | 4 | | 4 | | 0 | | 0 | | 0 | | 0 | | 3 | | Ergonomia | | | 1 | 0,25 | 0 | zal. | | o | 2 | | 2 | | 0 | | 0 | | 0 | | 0 | | 4 | | Ochrona własności intelektualnej | | | 1 | 0,25 | 0 | zal. | | o | 2 | | 2 | | 0 | | 0 | | 0 | | 0 | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | | | | | 1,5 | 0 | x | | x | 12 | | 12 | | 0 | | 0 | | 0 | | 0 | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd.(zajęcia praktyczne) | | | | | |  | 0 | x | | x | 0 | | 0 | | 0 | | 0 | | 0 | | 0 | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd.(przedmioty fakultatywne) | | | | | |  | 0 | x | | x | 0 | | 0 | | 0 | | 0 | | 0 | | 0 | | **Liczba punktów ECTS/godz. dyd. w semestrze 1** | | | | | | **30** | **14,7** | **x** | | **x** | **402** | | **72** | | **330** | | **28** | | **40** | | **0** | |  | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | **Rok studiów: 1, semestr: 2** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | Lp. | | Nazwa przedmiotu/grupy zajęć | | | Semestr | Liczba  punktów ECTS | Punkty ECTS  za zajęcia praktyczne | Forma zaliczenia | Status przedmiotu:  obligatoryjny lub fakultatywny | | | Liczba godzin realizowanych z bezpośrednim udziałem nauczyciela akademickiego lub innej osoby prowadzącej zajęcia | | | | | | | | Praktyka | Praca dyplomowa | | ogółem zajęcia dydaktyczne | | wykład | | ćwiczenia | | inne | | | **Grupa treści** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | **I - WYMAGANIA OGÓLNE** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 1 | | Przedmiot do wyboru I | | | 2 | 2 | 0 | zal. oc. | f | | | 30 | | 30 | | 0 | | 2 | | 0 | 0 | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | | | | | 2 | 0 | x | x | | | 30 | | 30 | | 0 | | 2 | | 0 | 0 | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | | | | |  | 0 | x | x | | | 0 | | 0 | | 0 | | 0 | | 0 | 0 | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | | | | | 2 | 0 | x | x | | | 30 | | 30 | | 0 | | 2 | | 0 | 0 | | **II – PODSTAWOWYCH** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 1 | | Warsztat badacza języka | | | 2 | 1 | 0,6 | zal. oc. | o | | | 15 | | 0 | | 15 | | 2 | | 0 | 0 | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | | | | | 1 | 0,6 | x | x | | | 15 | | 0 | | 15 | | 2 | | 0 | 0 | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | | | | |  | 0,6 | x | x | | | 15 | | 0 | | 15 | | 2 | | 0 | 0 | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | | | | | 0 | 0 | x | x | | | 0 | | 0 | | 0 | | 0 | | 0 | 0 | | **III – KIERUNKOWYCH** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 1 | | | Nurty i style literacko-artystyczne II | | 2 | 2,5 | 1,2 | zal. oc. | o | | | 45 | | 15 | | 30 | | 2 | | 0 | 0 | | 2 | | | Życie literackie po 1989 roku I | | 2 | 2 | 0,6 | zal. oc. | o | | | 30 | | 15 | | 15 | | 2 | | 0 | 0 | | 3 | | | Metodologia badań literackich II | | 2 | 2 | 0,6 | egz. | o | | | 15 | | 0 | | 15 | | 4 | | 0 | 0 | | 4 | | | Metodologia badań językoznawczych | | 2 | 2,5 | 0,6 | egz. | o | | | 30 | | 15 | | 15 | | 4 | | 0 | 0 | | 5 | | | Komparatystyka literacka | | 2 | 2 | 0,6 | zal.oc. | o | | | 30 | | 15 | | 15 | | 2 | | 0 | 0 | | 6 | | | Kreatywne pisanie I | | 2 | 1 | 0,6 | zal.oc. | o | | | 15 | | 0 | | 15 | | 2 | | 0 | 0 | | 7 | | | Ortografia i interpunkcja (poziom zaawansowany) | | 2 | 1,7 | 1,2 | zal.oc. | o | | | 30 | | 0 | | 30 | | 2 | | 0 | 0 | | 8 | | | Problemy leksykologii | | 2 | 1,3 | 0,6 | zal.oc. | o | | | 15 | | 0 | | 15 | | 2 | | 0 | 0 | | 9 | | | Seminarium magisterskie i praca dyplomowa II | | 2 | 4 | 1,2 | zal.oc. | f | | | 30 | | 0 | | 30 | | 2 | | 0 | 0 | | 10 | | | Wykład monograficzny I | | 2 | 2 | 0 | zal.oc | f | | | 30 | | 30 | | 0 | | 2 | | 0 | 0 | | 11 | | | Przedmiot do wyboru II | | 2 | 2 | 1,2 | zal.oc. | f | | | 30 | | 0 | | 30 | | 2 | | 0 | 0 | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd.(ogółem) | | | | | | 23 | 8,4 | x | x | | | 300 | | 90 | | 210 | | 26 | | 0 | 0 | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | | | | |  | 8,4 | x | x | | | 210 | | 0 | | 210 | | 15 | | 0 | 0 | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | | | | | 8 | 2,4 | x | x | | | 60 | | 30 | | 30 | | 6 | | 0 | 0 | | **IV - ZWIĄZANYCH Z ZAKRESEM KSZTAŁCENIA** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 1 | | | | Dydaktyka przedmiotu I | 2 | 4 | 1,2 | zal.oc. | f | | | 60 | | 30 | | 30 | | 2 | | 0 | 0 | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | | | | | 4 | 1,2 | x | x | | | 60 | | 30 | | 30 | | 2 | | 0 | 0 | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | | | | |  | 1,2 | x | x | | | 30 | | 0 | | 30 | | 2 | | 0 | 0 | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | | | | | 4 | 1,2 | x | x | | | 60 | | 30 | | 30 | | 2 | | 0 | 0 | | **Liczba punktów ECTS/godz. dyd. w semestrze 2** | | | | | | **30** | **10,2** | **x** | **x** | | | **405** | | **150** | | **255** | | **32** | | **0** | **0** | | **Liczba punktów ECTS/godz. dyd. na I roku** | | | | | | **60** | **24,9** | **x** | **x** | | | **807** | | **222** | | **585** | | **60** | | **40** | **0** |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | **Rok studiów: 2, semestr: 3** | | | | | | | | | | | | | | Lp. | Nazwa przedmiotu/grupy zajęć | Semestr | Liczba  punktów ECTS | Punkty ECTS  za zajęcia praktyczne | Forma zaliczenia | Status przedmiotu:  obligatoryjny lub fakultatywny | Liczba godzin realizowanych z bezpośrednim udziałem nauczyciela akademickiego lub innej osoby prowadzącej zajęcia | | | | Praktyka | Praca dyplomowa | | ogółem zajęcia dydaktyczne | wykład | ćwiczenia | inne | | **Grupa treści** | | | | | | | | | | | | | | **II – PODSTAWOWYCH** | | | | | | | | | | | | | | 1 | Zagadnienia współczesnej humanistyki | 3 | 2 | 0,6 | zal.oc. | o | 30 | 15 | 15 | 2 | 0 | 0 | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd.(ogółem) | | | 2 | 0,6 | x | x | 30 | 15 | 15 | 2 | 0 | 0 | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | |  | 0,6 | x | x | 15 | 0 | 15 | 2 | 0 | 0 | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | | 2 | 0 | x | x | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | | **III – KIERUNKOWYCH** | | | | | | | | | | | | | | 1 | Życie literackie po 1989 II | 3 | 3,5 | 0,6 | egz. | o | 30 | 15 | 15 | 4 | 0 | 0 | | 2 | Literatura i kultura popularna I | 3 | 2 | 0,6 | zal.oc. | o | 30 | 15 | 15 | 2 | 0 | 0 | | 3 | Filozofia a literatura | 3 | 2 | 0,6 | zal.oc. | o | 30 | 15 | 15 | 2 | 0 | 0 | | 4 | Antropologia literatury | 3 | 2 | 0,6 | zal.oc. | o | 30 | 15 | 15 | 2 | 0 | 0 | | 5 | Wprowadzenie do semantyki | 3 | 1,5 | 0 | zal.oc. | o | 15 | 15 | 0 | 2 | 0 | 0 | | 6 | Historia języka polskiego | 3 | 3 | 0,6 | egz. | o | 30 | 15 | 15 | 4 | 0 | 0 | | 7 | Dialektologia | 3 | 2,5 | 0,6 | zal.oc. | o | 30 | 15 | 15 | 2 | 0 | 0 | | 8 | Kreatywne pisanie II | 3 | 1,5 | 0,6 | zal.oc. | o | 15 | 0 | 15 | 2 | 0 | 0 | | 9 | Publikacja tekstów w Internecie | 3 | 2 | 1,2 | zal.oc. | o | 30 | 0 | 30 | 2 | 0 | 0 | | 10 | Seminarium magisterskie i praca dyplomowa III | 3 | 5 | 1,2 | zal.oc. | f | 30 | 0 | 30 | 2 | 0 | 0 | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd.(ogółem) | | | 25 | 6,6 | x | x | 270 | 105 | 165 | 24 | 0 | 0 | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | |  | 6,6 | x | x | 165 | 0 | 165 | 10 | 0 | 0 | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | | 5 | 1,2 | x | x | 30 | 0 | 30 | 2 | 0 | 0 | | **IV - ZWIĄZANYCH Z ZAKRESEM KSZTAŁCENIA** | | | | | | | | | | | | | | 1 | Dydaktyka przedmiotu II | 3 | 3 | 1,2 | egz. | f | 30 | 0 | 30 | 4 | 0 | 0 | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | | 3 | 1,2 | x | x | 30 | 0 | 30 | 4 | 0 | 0 | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | |  | 1,2 | x | x | 30 | 0 | 30 | 4 | 0 | 0 | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | | 3 | 1,2 | x | x | 30 | 0 | 30 | 4 | 0 | 0 | | **Liczba punktów ECTS/godz. dyd. w semestrze 3** | | | **30** | **8,4** | **x** | **x** | **330** | **120** | **210** | **30** | **0** | **0** |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | **Rok studiów: 2, semestr: 4** | | | | | | | | | | | | | | | | Lp. | | Nazwa przedmiotu/grupy zajęć | Semestr | | Liczba  punktów ECTS | Punkty ECTS  za zajęcia praktyczne | Forma zaliczenia | Status przedmiotu:  obligatoryjny lub fakultatywny | Liczba godzin realizowanych z bezpośrednim udziałem nauczyciela akademickiego lub innej osoby prowadzącej zajęcia | | | | Praktyka | Praca dyplomowa | | ogółem zajęcia dydaktyczne | wykład | ćwiczenia | inne | | **Grupa treści** | | | | | | | | | | | | | | | | **I - WYMAGANIA OGÓLNE** | | | | | | | | | | | | | | | | 1 | | Przedmiot do wyboru III | 4 | | 2 | 0 | zal.oc. | f | 30 | 30 | 0 | 2 | 0 | 0 | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | | | | 2 | 0 | x | x | 30 | 30 | 0 | 2 | 0 | 0 | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | | | |  | 0 | x | x | 0 | 0 | 0 | 2 | 0 | 0 | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | | | | 2 | 0 | x | x | 30 | 30 | 0 | 2 | 0 | 0 | | **III – KIERUNKOWYCH** | | | | | | | | | | | | | | | | 1 | | Literatura i kultura popularna II | 4 | | 3,5 | 0,6 | egz. | o | 30 | 15 | 15 | 4 | 0 | 0 | | 2 | | Eseistyka literacka i filozoficzna | 4 | | 2,5 | 0,6 | zal.oc. | o | 30 | 15 | 15 | 2 | 0 | 0 | | 3 | | Pragmatyka językoznawcza | 4 | | 2 | 0,6 | zal.oc. | o | 30 | 15 | 15 | 2 | 0 | 0 | | 4 | | Zagadnienia językoznawstwa komputerowego | 4 | | 1,5 | 0 | zal.oc. | o | 15 | 15 | 0 | 2 | 0 | 0 | | 5 | | Język wartości | 4 | | 1,5 | 0 | zal.oc. | o | 15 | 15 | 0 | 2 | 0 | 0 | | 6 | | Wystąpienia publiczne | 4 | | 1,5 | 0,6 | zal.oc | o | 15 | 0 | 15 | 2 | 0 | 0 | | 7 | | Seminarium magisterskie i praca dyplomowa IV | 4 | | 7 | 1,2 | zal.oc. | f | 30 | 0 | 30 | 2 | 0 | 0 | | 8 | | Przedmiot do wyboru IV | 4 | | 2 | 0,6 | zal.oc. | f | 30 | 15 | 15 | 2 | 0 | 0 | | 9 | | Wykład monograficzny II | 4 | | 2 | 0 | zal.oc. | f | 30 | 30 | 0 | 2 | 0 | 0 | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd.(ogółem) | | | | | 23,5 | 4,2 | x | x | 225 | 120 | 105 | 20 | 0 | 0 | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | | | |  | 4,2 | x | x | 105 | 0 | 105 | 8 | 0 | 0 | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | | | | 11 | 1,8 | x | x | 90 | 45 | 45 | 6 | 0 | 0 | | **V- PRAKTYKA** | | | | | | | | | | | | | | | | 1 | Praktyka przedmiotowo-metodyczna | | | 4 | 4,5 | 4,5 | zal.oc. | f | 0 | 0 | 0 | 0 | 120 | 0 | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd.(ogółem) | | | | | 4,5 | 4,5 | x | x | 0 | 0 | 0 | 0 | 120 | 0 | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | | | | 4,5 | 4,5 | x | x | 0 | 0 | 0 | 0 | 120 | 0 | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | | | | 4,5 | 4,5 | x | x | 0 | 0 | 0 | 0 | 120 | 0 | | **Liczba punktów ECTS/godz. dyd. w semestrze 4** | | | | | **30** | **8,7** | **x** | **x** | **255** | **150** | **105** | **22** | **120** | **0** | | **Liczba punktów ECTS/godz. dyd. na II roku studiów** | | | | | **60** | **17,1** | **x** | **x** | **585** | **270** | **315** | **52** | **120** | **0** |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | **Tabela podsumowująca plan** | | | | | | | | | | | Lp. | Nazwa przedmiotu/grupy zajęć | Liczba  punktów ECTS | Punkty ECTS  za zajęcia praktyczne | Liczba godzin realizowanych  z bezpośrednim udziałem nauczyciela akademickiego lub innej osoby prowadzącej zajęcia | | | | Praktyka | Praca dyplomowa | | ogółem zajęcia dydaktyczne | wykład | ćwiczenia | inne | | **Liczba punktów ECTS/godz. dyd. w planie studiów** | | **120** | **42,0** | **1392** | **492** | **900** | **112** | **160** | **0** | | **Grupa treści** | | | | | | | | | | | **I - WYMAGANIA OGÓLNE** | | | | | | | | | | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | 8 | 2,4 | 120 | 60 | 60 | 8 | 0 | 0 | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | 4 | 2,4 | 60 | 0 | 60 | 4 | 0 | 0 | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | 4 | 1,2 | 90 | 60 | 30 | 6 | 0 | 0 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | **II – PODSTAWOWYCH** | | | | | | | | | | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | 6 | 2,4 | 90 | 30 | 60 | 8 | 0 | 0 | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | |  | 2,4 | 60 | 0 | 60 | 6 | 0 | 0 | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | 2 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | | **III – KIERUNKOWYCH** | | | | | | | | | | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | 87,5 | 26,4 | 1020 | 360 | 660 | 86 | 0 | 0 | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | |  | 26,4 | 660 | 0 | 660 | 47 | 0 | 0 | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | 28 | 6,6 | 210 | 75 | 135 | 16 | 0 | 0 | | **IV - ZWIĄZANYCH Z ZAKRESEM KSZTAŁCENIA** | | | | | | | | | | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | 11 | 4,8 | 150 | 30 | 120 | 10 | 0 | 0 | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | |  | 4,8 | 120 | 0 | 120 | 7 | 0 | 0 | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | 11 | 4,8 | 150 | 30 | 120 | 10 | 0 | 0 | | **V – PRAKTYKA** | | | | | | | | | | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | 6 | 6 | 0 | 0 | 0 | 0 | 160 | 0 | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | 6 | 6 | 0 | 0 | 0 | 0 | 160 | 0 | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | 6 | 6 | 0 | 0 | 0 | 0 | 160 | 0 | | **VI – INNE** | | | | | | | | | | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | 1,5 | 0 | 12 | 12 | 0 | 0 | 0 | 0 | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | |  | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | **Lp.** | **Punkty ECTS sumaryczne wskaźniki ilościowe,**  **w tym zajęcia:** | **Punkty ECTS** | |  |  |  |  |  |  | | **Liczba** | **%** |  |  |  |  |  |  | | **Ogółem - plan studiów** | | 120 | 100 |  |  |  |  |  |  | | 1 | wymagające bezpośredniego udziału nauczyciela akademickiego lub innych osób prowadzących zajęcia | 60,16 | 50,13 |  |  |  |  |  |  | | 2 | z zakresu nauk podstawowych | 6 | 5,0 |  |  |  |  |  |  | | 3 | o charakterze praktycznym (laboratoryjne, projektowe, warsztatowe) | 42,0 | 35,0 |  |  |  |  |  |  | | 4 | ogólnouczelniane lub realizowane na innym kierunku | 2 | 1,66 |  |  |  |  |  |  | | 5 | zajęcia do wyboru - co najmniej 30% punktów ECTS | 51 | 42,5 |  |  |  |  |  |  | | 6 | wymiar praktyk | 6 | 5,0 |  |  |  |  |  |  | | 7 | zajęcia z języka obcego | 2 | 1,66 |  |  |  |  |  |  | | 9 | przedmioty z dziedziny nauk humanistycznych lub nauk społecznych | 118,5 | 98,5 |  |  |  |  |  |  | | 10 | zajęcia kształtujące umiejętności praktyczne (dotyczy profilu praktycznego) | - | - |  |  |  |  |  |  | | 11 | zajęcia związane z prowadzoną w uczelni działalnością naukową w dyscyplinie/ach, do których przyporządkowano kierunek studiów (dotyczy profilu ogólnoakademickiego) | 106,5 | 88,75 |  |  |  |  |  |  | |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | **II** | **Procentowy udział pkt ECTS dla każdej z dyscyplin naukowych w łącznej liczbie punktów ECTS** | **%** |  |  |  |  |  |  |  | | 1 | Językoznawstwo | 51 |  |  |  |  |  |  |  | | 2 | Literaturoznawstwo | 49 |  |  |  |  |  |  |  | | **Ogółem:** | | **100** |  |  |  |  |  |  |  | |

|  |
| --- |
| **Wykaz grup przedmiotów:** |
| **Warsztat językowy** |
| 1) Język angielski |
| 2) Język hiszpański |
| 3) Język niemiecki |
| 4) Język rosyjski |
| **Przedmiot do wyboru I** |
| 1) Komunikacja wizualna |
| 2) Komunikacja marketingowa |
| **Przedmiot do wyboru II** |
| 1) Zagadnienia przekładu literackiego |
| 2) Selected Advanced Issues in Applied Linguistics |
| **Przedmiot do wyboru III** |
| 1) Podstawy komunikacji społecznej |
| 2) Miłość i erotyzm w kulturze |
| **Przedmiot do wyboru IV** |
| 1) Gatunki autobiograficzne |
| 2) Gatunki dziennikarskie |
| **Wykład monograficzny I** |
| 1) Od romansu do powieści. Z dziejów ewolucji polskiej epiki |
| 2) Strategie prezentacji medialnych |
| **Wykład monograficzny II** |
| 1) Wizerunki kobiet w literaturze i sztuce |
| 2) Gramatyka porównawcza języków słowiańskich |